पीजीडीजीसी - 05

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

प्रोजेक्ट

पाठ्यक्रम अभिकल्प समिति

अध्यक्ष

प्रो. विनय कुमार पाठक

कुलपति

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

संयोजक/ समन्वयक एवं सदस्य

संयोजक

डॉ. रजनी रंजन सिंह

निदेशक, शिक्षा विद्यापीठ

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

समन्वयक

डॉ. कीर्ति सिंह

सहायक आचार्य, शिक्षा विद्यापीठ

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

सदस्य

1. प्रो. जे. के. जोशी
निदेशक, शिक्षा विद्या शाखा
उत्तराखंड मुक्तविश्वविद्यालय
हल्द्वानी

2. प्रो. दिव्य प्रभा नागर
पूर्व कुलपति
ज.रा. नागर राजस्थान विद्यापीठ
विश्वविद्यालय, उदयपुर

3. प्रो. (डॉ) एल.आर. गुर्जर
निदेशक (अकादमिक)
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

4. प्रो. एच. बी. नंदवाना
निदेशक, सतत शिक्षा विद्यापीठ
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

5. प्रो. दामिना चौधरी
आचार्य,शिक्षा विद्यापीठ
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

6. डॉ. रजनी रंजन सिंह
निदेशक, शिक्षा विद्यापीठ
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

7. डॉ. अनिल कुमार जैन
सह आचार्य,शिक्षा विद्यापीठ
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

8. डॉ. कीर्ति सिंह
सहायक आचार्य, शिक्षा विद्यापीठ
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

9. **डॉ. पतंजलि मिश्र**
सहायक आचार्य, शिक्षा विद्यापीठ
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

10. **डॉ. अखिलेश कुमार**
सहायक आचार्य, शिक्षा विद्यापीठ
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

संपादन एवं पाठ्यक्रम लेखन

डॉ. अखिलेश कुमार

सहायक आचार्य, शिक्षा विद्यापीठ

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

अकादमिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

प्रो. विनय कुमार पाठक	**प्रो. एल.आर. गुर्जर**
कुलपति	निदेशक (अकादमिक)
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा	वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा
प्रो. करण सिंह	**डॉ. अनिल कुमार जैन**
निदेशक	अतिरिक्त निदेशक
पाठ्य सामग्री उत्पादन	पाठ्य सामग्री उत्पादन
एवं वितरण प्रभाग	एवं वितरण प्रभाग
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा	वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

उत्पादन ISBN

इस सामग्री के किसी भी अंश को व.म.खु.वि.वि., कोटा ,की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में अन्यत्र पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। व.म.खु.वि.वि., कोटा के लिए कुलसचिव, व.म.खु.वि.वि., कोटा (राजस्थान) द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित।

पीजीडीजीसी - 05

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

प्रोजेक्ट
(Project)

परामर्श एवं निर्देशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रोजेक्ट के रूप में आपको कम से कम दो व्यक्तियों का निर्देशन/ परामर्श करना होगा और उसका संपूर्ण केस स्टडी (लगभग 2500 शब्दों में प्रत्येक का संक्षिप्त रिपोर्ट) प्रस्तुत करना होगा | यह प्रोजेक्ट 4 श्रेयांकों का है | निर्देशन एवं परामर्श के क्षेत्र दो भागों में बांटे गए हैं: पहला भाग अनिवार्य है , दूसरे भाग से आप दो में से कोई एक चुनेंगे | दोनों खण्डों का विस्तृत विवरण निम्नांकित है:

भाग-1 अनिवार्य

विशेष आवश्यकता वाले बालकों का शैक्षिक परामर्श

भाग-2

भाग दो से कोई एक क्षेत्र चुनें

1. शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श
2. व्यावसायिक निर्देशन एवं परामर्श

- प्रोजेक्ट पूरा करके आप अपने सम्बंधित क्षेत्रीय केंद्र पर 30 अप्रैल (जुलाई सत्र में जिनका नामांकन हुआ है) /30 अक्टूबर (जनवरी सत्र में जिनका नामांकन हुआ है) तक अवश्य जमा कर दें |
- प्रोजेक्ट जमा न करने की स्थिति में आपका प्रायोगिक कार्य अपूर्ण माना जायेगा और आपका परीक्षा परिणाम रोक दिया जायेगा |

- प्रोजेक्ट हेतु आप जिस विद्यालय / परामर्श केंद्र से बच्चों का चयन करेंगे वहां के प्रधानाचार्य/निर्देशक से आपको इस आशय का प्रमाण पत्र लेना होगा कि आपने उनके विद्यालय केंद्र में अपना प्रायोगिक कार्य पूर्ण किया है|
- प्रोजेक्ट में आपकी सहायता के लिए निर्धारित रिपोर्टिंग फॉर्मेट दिया गया है आपसे आग्रह है कि आप उसी निर्धारित फॉर्मेट में आपना रिपोर्ट प्रस्तुत करें|
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट के प्रथम पृष्ठ पर आप अपना नाम, अपना स्कॉलर नंबर, अपना क्षेत्रीय केंद्र एवं अपने अध्ययन केंद्र का नाम लिखे|
- प्रोजेक्ट के दूसरे पृष्ठ पर आप इस आशय का प्रमाण पत्र लगायें कि आपने यह कार्य किस अवधि में और किस स्कूल/ परामर्श केंद्र पर किया है | यह प्रमाण पत्र उस विद्यालय / केंद्र के प्रधानाचार्य / निर्देशक से प्रति हस्ताक्षरित होना चाहिए|
- प्रोजेक्ट रिपोर्टिंग का तीसरा पृष्ठ अनुक्रमणिका का होगा एवं उसके बाद निर्धारित प्रपत्र में आप अपना रिपोर्ट प्रस्तुत करें | जहाँ कहीं आवश्यक हो आप अतिरिक्त पृष्ठ जोड़ें|
- अपना रिपोर्ट अंग्रेजी के टाइम्स न्यू रोमन, फॉण्ट का आकार 12, डबल स्पेस में A-4 कागज पर टाइप्ड या प्रिंटेड फॉर्म में प्रस्तुत करें या हिंदी के कोकिला फॉण्ट, आकार 16, डबल स्पेस में A-4 कागज पर टाइप्ड या प्रिंटेड फॉर्म में प्रस्तुत करें|

****

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय(राजस्थान) कोटा ,

निर्देशन एवं परामर्श में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा

(Post Graduate Diploma in Guidance and Counselling)

Case Study

- प्रशिक्षु का नाम
- प्रशिक्षु का रोल नंबर
- सत्र

भागA-

परामर्शी का जनांकिकीय विवरण

Demographic Details of Counselee

- परामर्शी का नाम
- आयु
- लिंग
- शिक्षा
- वैवाहिक स्थिति
- ग्रामीण / शहरी
- पारिवारिक संरचना (एकल या संयुक्त)
- परामर्शी के भाई बहनों का विवरण
- व्यवसाय
- परामर्शी के पिता का नाम
- परामर्शी के पिता की शिक्षा
- परामर्शी की माता का नाम
- परामर्शी की माता की शिक्षा
- परामर्शी की वार्षिक पारिवारिक आय

Part-B
Problem Details and Counselling Provided

समस्या का विवरण और उसका समाधान) हेतु परामर्श(

परामर्शी की समस्या का विवरण:

1. समस्या का सक्षिप्त विवरण (लगभग 200 शब्दों में) (परामर्शी के बताये अनुसार संक्षेप में लिखें समस्या क्या है)

2. समस्या का सक्षिप्त इतिहास(परामर्शी के अनुसार लगभग 200 शब्दों में लिखें कि समस्या कैसे शुरू हुई):

3. समस्या के कारण (लगभग 200 शब्दों में, परामर्शी के बताये अनुसार संक्षेप में लिखें समस्या के कारण क्या हैं):

4. समस्या के कारण व्यक्ति के जीवन पर दुष्प्रभाव (लगभग 200 शब्दों में, परामर्शी के बताये अनुसार संक्षेप में लिखें इस समस्या की वजह से उसके जीवन पर क्या दुष्प्रभाव पड रहे हैं) :

5. उपरोक्त विवरण एवं अन्य सूचनाओं के आलोक में परामर्शदाता का आकलन एवं टिप्पणी (लगभग १५० शब्दों में लिखें कि परामर्शी द्वारा दी गयी जानकारी समस्या, समस्या का इतिहास, समस्या के कारण एवं दुष्प्रभावों के बारे में आपका क्या मत है ? अगर आपने किसी प्रकार का परीक्षण टूल प्रयोग किया है तो उसका विवरण एवं परिणाम बताइए):

6. समस्या का संभावित समाधान: अपने अनुभवों, परामर्शी के विस्तृत विवरण एवं उसके साथ चर्चा के आधार पर बताइए कि समस्या के संभावित समाधान क्या हो सकते हैं और प्रत्येक समाधान के लाभ और उसकी सीमायें क्या हैं)

	संभावित समाधान	लाभ	सीमायें	प्राथमिकता
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

7. समस्या का अनुकूलतम समाधान जो परामर्शदाता/प्रशिक्षु ने सुझाया है(लगभग ३०० शब्दों में स्पष्ट कीजिये आपने क्या समाधान सुझाया और क्यों?) :

परामर्शी के हस्ताक्षर

परामर्शदाता के हस्ताक्षर

विद्यालय परामर्श केंद्र के अधिकारी का हस्ताक्षर / (सील के साथ)

परामर्शी के माता पिता के हस्ताक्षर (यदि परामर्शी नाबालिग है)

8. परामर्शी की प्रगति की समीक्षा:

****